* S - 2 5 2 4 / 1 0 0 *

S-2524

M. A. (Sem. I) Examination

March / April – 2011

Hindi : Paper - IV

(Elective - I : Romanticism)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **M. A. (SEM. 1)**

Name of the Subject :

☛ **HINDI - 4**

☛ Subject Code No. : **2 5 2 4** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **NIL**

Seat No. :

Student's Signature

(२) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक हैं ।

१ छायावाद के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ उद्‌घाटित कीजिए। १८

अथवा

१ छायावाद के प्रमुख कवियों की काव्यगत लाक्षणिकताएँ बताइए । १८

२ काव्यकला की दृष्टि से 'आँसू' एक सफल काव्य हैं। सिद्ध कीजिए। १७

अथवा

२ ''यदि हिंदी साहित्य में 'आँसू' का अवतारण न होता है तो छायावाद का स्वरूप अनिर्दिष्ट रह जाता'' इस कथन की चर्चा कीजिए। १७

३ ''पंत प्रकृति के सफल चितेरे हैं''। 'पल्लव' के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए। १७

अथवा

३ 'पल्लव' छायावादी दर्शन की भूमिका पर आधारित काव्य है सिद्ध कीजिए। १७

४ (अ) टिप्पणी लिखिए : ९

(१) 'आँसू' की प्रतीकात्मकता

अथवा

आँसू में विरहानुभूति

(२) पल्लव का शीर्षक

अथवा

याचना काव्य मे कवि की भावना

(ब) ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : ९

(१) हिलते द्रुम–दल कल किसलय,
देती गलार्बाही डार्ली,
फूलों का चुम्बन, छिडती–,
मधुपों की तान निराली।

अथवा

(१) माना कि रूप–सीमा हैं
सुन्दर ! तव चिर यौवन में
पर समा गये थे, मेरे
मन के निस्सीम गगन में।

(२) न पत्रें का मर्मर संगीत
न पूष्पों का रस, राग, पराग
एक अस्फूट, अस्पष्ट, अगीत,
सुप्ति की ये स्वपनिल मुसकान
सरल शिशुओं के शुचि अनुराग,
वन्य विहंगों के गान !

अथवा

(२) उस फैली हरियाली में,
कौन अकेली खेल रही मा !
वह अपनी वय बाली में ?
सजा हृदय की थाली में